ग्रुप-डी के 22 हजार पदों पर भर्ती का 15 दिन में जारी होगा शेड्यूल, सीईटी फरवरी में संभव

▪ 1200 से अधिक सेंटरों पर एनटीए लेगी परीक्षा ▪ 2023 तक पूरी होगी भर्ती की प्रक्रिया

सुशील भार्गव | राजधानी हरियाणा

प्रदेश में ग्रुप-डी के 22 हजार पदों पर भर्तियों के लिए शेड्यूल तैयार किया जा रहा है। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) विभागों के अनुसार 15 दिन में भर्ती के लिए विज्ञापन जारी करेगा। इसके बाद ग्रुप-डी के लिए कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट (सीईटी) फरवरी में कराया जाएगा। यह परीक्षा भी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ही कराएगी, जिसमें 10.50 लाख से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। यह बात एचएसएससी चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी ने भास्कर को बताई है। उनका कहना है कि परीक्षा दो दिन में सुबह-शाम की शिफ्ट में कराई जाएगी। एक दिन रिजर्व-डे के रूप में भी रखा जाएगा, ताकि कहीं गड़बड़ या अन्य दिक्कतें आने पर उस दिन परीक्षा ली जा सके। आयोग के पास 1200 से अधिक परीक्षा केंद्रों का डेटा है, उसी के अनुसार केंद्र बनाए जाएंगे। जो परीक्षा केंद्र पिछली परीक्षा में पैमानों पर खरे नहीं उतरे थे, उन्हें बदला जा सकता है।

95 अंक की ही होगी परीक्षा, 25 फीसदी सवाल हरियाणा से संबंधित होंगे

हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन भोपाल सिंह खदरी का कहना है कि ग्रुप-डी की परीक्षा भी ग्रुप-सी की तरह ही 95 अंक की होगी। इसमें 25 फीसदी सवाल हरियाणा से संबंधित होंगे। फिलहाल ग्रुप-डी के करीब 22 हजार पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इन पदों को भरने के लिए ही कॉमन एलिजिबिलिटी टेस्ट लिया जा रहा है। इन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया साल 2023 में शुरू हो जाएगी। संभावना है कि साल 2023 के आखिरी तक भर्ती की प्रक्रिया को पूरा कर लिया जाएगा।

ग्रुप-सी के सीईटी का रिजल्ट 20 तक

एचएसएससी चेयरमैन के अनुसार, ग्रुप-सी के लिए 5-6 नवंबर को हुए सीईटी का रिजल्ट 20 दिसंबर तक घोषित कर दिया जाएगा। 30 नवंबर या 1 दिसंबर को एनटीए की ओर से रिस्पॉन्स सीट परीक्षार्थियों की ई-मेल या आईडी पर डाली जाएगी। 1 या 2 दिसंबर को ऑब्जेक्शन मांगे जाएंगे। इसके लिए परीक्षार्थियों को 3 दिन का समय दिया जाएगा। ग्रुप-सी की भर्तियों को पूरा करने की प्रक्रिया मई 2023 तक चलेगी। इसके साथ ही ग्रुप-डी की प्रक्रिया भी शुरू हो जाएगी।

पीपीपी से की जा रही वेरिफिकेशन

जिन आवेदकों ने आरक्षण के लिए आवेदन किया है, उनको पीपीपी से वेरिफाई किया जा रहा है। अब तक 90% कार्य पूरा हो चुका है। इसमें पता लगाया जा रहा है कि आवेदक ने जो जानकारी फॉर्म भरते समय दी थी, क्या वह सही है। किसी ने गलत जानकारी दी है तो करेक्शन के लिए ऑनलाइन व ऑफलाइन मौका दिया जाएगा। इसे फिजिकली भी चेक किया जा रहा है, ताकि पूरी जानकारी आयोग के पास हो। गलत जानकारी देने वाले के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।